वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट और पर्यावरण मंत्रालय ने 40 साल बाद किया सर्वे

कुछ अलग

एक चौथाई दिल्लीवासी एलर्जी से परेशान

नई दिल्ली | कार्यालय संवाददाता

एक मौसम में कई बार सर्दी-जुकाम और खांसी होने की वजह एलर्जी हो सकती है। दिल्ली में करीब एक चौथाई लोग किसी न किसी तरह की एलर्जी से परेशान हैं।

एलर्जी के इलाज में लापरवाही आगे साइनस, अस्थमा, कंजक्टिवाइटिस जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे रही है। यह जानकारी वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट में आयोजित एलर्जी वर्कशॉप 2015 में दी गई।

दिल्ली में 1960 के दशक में हुए सर्वे में 10 फीसदी एलर्जिक रायनाइटिस और 1 फीसदी अस्थमा के मरीज थे। वहीं, 40 साल बाद वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट और वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा किए सर्वे में 20 से 30 फीसदी के एलर्जिक रायनाइटिस और 10 फीसदी के अस्थमा से ग्रस्त होने की बात सामने आई है।

साधारण जुकाम से अलग है एलर्जिक रायनाइटिस

वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर डॉक्टर राजकुमार के मुताबिक एलर्जिक रायनाइटिस 'एलर्जन्स' की वजह से होती है। एलर्जन्स धूल, धुएं, परागकण, जानवरों के बालों में बेहद छोटे कण की तरह होते हैं। इसमें बुखार या बदन दर्द नहीं होता। नाक, कान और गले में खुजली का एहसास होता है। ऐसी समस्या साधारण सर्दी-जुकाम के मुकाबले ज्यादा लंबे समय तक रहती है।

छोटी सावधानियां, बड़ा बचाव

- धूम्रपान न करें, न घर में करने दें
- पालतू जानवरों के बालों में हाथ न फेरें
- कारपेट में धूल न जमने दें, जाले हटाएं
- अगरबत्ती के धुएं से भी बचना चाहिए
- फर वाले सॉफ्ट ट्वायज धोते रहें

Hindustan
(March 16, 2015)
Delhi Edition